" विवाह के प्रति युवाओं का दृष्टिकोण"

एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

बालोद जिले के डौण्डी लोहारा तहसील क्षेत्र के संदर्भ में

2017–18

एम.ए.समाजशास्त्र अंतिम की पंचम प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति

हेतु प्रस्तुत

शोध परियोजना

शोध निर्देशक

श्री गणेश कुमार नेताम

सहा.प्रा. (विभाग–समाजशास्त्र)

शोधकर्ता

घनश्याम साहू

एम.ए.अंतिम समाजशास्त्र

शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

अध्यायीकरण योजना

अध्याय – 1 परिचय

1.1 प्रस्तावना

1.2 विवाह की अवधारणा, उद्देश्य एवं आधुनिक प्रवित्तियां

1.3 युवा क्या है ?

1.4 विषय का समाजशास्त्रीय महत्व

1.5 अध्ययन का शीर्षक

1.6 अध्ययन का उद्देश्य

1.7 उपकल्पना

1.8 सीमाएं एवं कठिनाईया

1.9 अध्ययन क्षेत्र

अध्याय – 2 प्रक्रियातंत्र

2.1 आकड़ों का संकलन

अध्याय – 3 आकड़ों का विश्लेषण

अध्याय – 4 परिकल्पना का सत्यापन एवं निष्कर्ष

अध्याय – 5 संदर्भित ग्रंथ व सारणी सूची परिशिष्ट

निष्कर्ष

ध्ययन विषय– "विवाह के प्रति युवाओं का दृष्टिकोण" एक समाजशास्त्रीय विषयान्तर्गत हमनें ीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव जिले के अम्बागढ़ चौकी विकासखण्ड के अंतर्गत 60 अविवाहित ाओं का विवाह के प्रति दृष्टिकोण संबंधी अध्ययन किया।

उपरोक्त अध्ययन में हमनें पाया कि आधुनिकीकरण के समय में भी अधिकांश युवा विवाह एक अटूट बंधंन मानते हैव एक चौथाई से अधिक युवा विवाह को पारिवारिक जिम्मेदारी मानते तथा अपनी ही जाति में परम्परागत तरीके से विवाह करना चाहते हैं। जबकि एक चौथाई से उत्तरदाता प्रेम व अंतर्जातीय विवाह के पक्ष में है।दो तिहाईअधिकयुवा स्वयं अपने जीवनसाथी चयन कर माता–पिता से सहमति लेकर विवाह करना चाहते है , जबकि लगभग एक तिहाई जीवनसाथीमाता–पिता द्वारा चयन कर लड़के–लड़कियों से सहमति कोमहत्व देते हैं। समाज आज भी दो तिहाई अधिकयुवा सुखी जीवन हेतु विवाह को आवश्यक मानते हैं।बदलते समाज आज भी अधिकांश उत्तरदाता आदर्शवादी, सामान्य चरित्रवान,शिक्षित व सामान्य पारिवारिक र तथा सामान्य फैशन वाले साथी को अधिक महत्व देते हैं। वर्तमान में प्रेम विवाह को दो ाई से कम युवा समाज विरोधी नहीं मानते जबकि एक चौथाई से अधिक युवा प्रेम विवाह को ाज विरोधी मानते हैं।

विवाह हेतु चयनित उम्मीदवार से विवाह के लिए दो तिहाई से अधिक युवा अभिभावक को ने का प्रयास करना चाहते हैं तथा उनके नही मानने पर अधिकांश उत्तरदाता माता–पिता की नुसार विवाह चाहते हैं व मात्र 04उत्तरदाताअभिभावकों के न मानने पर जिद्द करके उसी से ाह करना चाहते हैं। अधिकांश युवक तलाक को परिस्थिति एवं आवश्यकता अनुसार उचित ते हैं। दो तिहाई अधिक उत्तरदाता चाहते है कि दहेज का लेना– देना बंद किया जाना हिए। अधिकांश उत्तरदाता विवाह में किये जाने वाले व्यय में फिजुल खर्च कम व आवश्यकता अनुसार खर्च करके शेष राशि वर/वधू के भावी जीवन के लिए सुरक्षित रख देने के पक्ष में हैं मात्र 06 युवा मानते है कि विवाह एक बार होता है इस लिए भर पुर व्यय किया जाना हिए। अधिकांश उत्तरदाताओं का मानना है कि एक बार विवाह हो जाने पर संपूर्ण जीवन उसी क्ति के साथ गुजारना चाहिए, व मात्र 08 उत्तरसदाता मानते है कि इच्छानुसार अन्य व्यक्ति से ारा विवाह किया जा सकता है। अधिकांश उत्तरदाताओं का मानना है कि यदि लड़के,लड़कियॉ ने मर्जी विवाह कर लेते है तो माता–पिता को स्वीकार करना चाहिए,व विवाह पश्चात ाजिक रीतिरिवाज के अनुसार विवाह कर देना चाहिए , मात्र तीन उत्तरदाता माता–पिता के ीकार करने के पक्ष में हैं। आधे से अधिक उत्तरदाता नौकरी पेशा साथी चाहते हैं व आधे नहीं चाहते हैं। आधे से अधिक युवा अपने आयु से छोटे व एक चौथाई अधिक अपने बराबर ु वाले साथी चाहते हैं तथा मात्र 02 युवा अपने से बड़े आयु वाले साथी चाहते हैं। अधिकांश

प्रायोगिक कार्य

शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगाँव

वर्ष - 2019

एम.ए.समाजशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर पंचम प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति हेतु प्रस्तुत

प्रश्नावली

युवाओं पर मोबाईल का प्रभाव एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

साक्षात्कार अनुसूची

शिक्षित बेरोजगारों की समस्या एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

—:: निर्देशक ::-

श्री जी.के.नेताम

सहायक प्राध्यापक(समाजशास्त्र)
शा.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
महाविद्यालय डोंगरगाँव
जिला- राजनांदगाँव (छ.ग.)

लोकेश्वरी

—:: शोधकर्ता ::-

लोकेश्वरी देवांगन

एम.ए.(समाजशास्त्र) द्वितीय सेमे.
शा.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगाँव
जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

प्रश्नावली

" युवाओ पर मोबाईल का प्रभाव एक समाजशास्त्रीय अध्ययन "

नोट :– कृपया निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दिए गए रिक्त स्थानों में भरे या वैकल्पिक उत्तर वाले प्रश्नों पर सही [✓] का निशान लगाये ।

(अ) व्यक्तिगत विवरण :–

1. नाम :– पुर्णिमा पटेल
2. आयु :– 23
3. लिंग :– स्त्री
4. जाति :– मरार
5. शिक्षा :– अध्ययन रत्न
6. धर्म :– हिन्दू
7. वैवाहिक स्थिति :– अविवाहित
8. व्यवसाय :– ....

(ब) पारिवारिक विवरण :–

1. पारिवारिक स्वरूप :– संयुक्त परिवार
2. परिवार के सदस्यो का विवरण :–

क्रं.	उत्तरदाता से सम्बंध	लिंग	आयु	शिक्षा	आपके पास व्यक्तिगत मोबाईल है।
1	पिता बुधोशराम पटेल	पुरुष	45	10वी	हाँ
2	माता [illegible] बाई पटेल	स्त्री	42	5वी	नही
3	पुत्री पुर्णिमा	स्त्री	23	अध्ययनरत्न	हाँ
4	पुत्री दामनी	स्त्री	20	"	नही
5	पुत्री लता पटेल	स्त्री	18	"	नही

(स) मोबाईल संबंधी विवरण :–

(1) आप मोबाईल कब से उपयोग कर रहे है ?
10 वी कक्षा से ।

(2) आपके लिए मोबाईल किसने उपलब्ध कराया ?
स्वयं / अभिभावक / मित्र / अन्य

(3) आप कौन से मोबाईल उपयोग कर रहे है ?
टच स्क्रीन / सामान्य सेट / कि पैड

(4) आप किस प्रकार का मोबाईल पसंद करते है ?
स्मार्ट फोन

(5) आपके पास कितने मोबाईल है ? एक / दो / तीन

एक

) आपको एक से अधिक मोबाईल की आवश्यकता क्यो पड़ी ?

एक ही मोबाइल है ।

7) आप कितने सिम (SIM) कार्ड रखते है ? एक / दो / तीन

दो

8) आपको एक से अधिक सिम कार्ड की आवश्यकता क्यो पड़ी ?

एक परिवार व रिश्तेदारो के लिए, दूसरा दोस्तो के लिए

9) आप मोबाईल पर एक महिने में कितना व्यय करते है ?

350/

(द) मोबाईल की आवश्यकता :-

(1) क्या आज के समय में मोबाईल की सबको आवश्यकता है ? हाँ / नही

(2) क्या युवक मोबाईल से सिर्फ वार्तालाप करते है ? हाँ / नही

(3) क्या विद्यार्थी जीवन में मोबाईल का उपयोग आवश्यक है ? हाँ / नही

(4) छात्रो के लिए मोबाईल किस हद तक आवश्यक है ? सामान्य / कम / ज्यादा

(5) बाजार में किस प्रकार की मोबाईल की माँग अधिक है ?

स्मार्ट फोन (टच स्क्रीन)

(6) आप अभी तक कितने और किस प्रकार की मोबाईल का उपयोग कर चुके है?

2) कीपैड और टच स्क्रीन

(7) आप एक दिन में कितने लोगो से वार्तालाप करते है ?

1 से 5 / 5 से 10 / 10 से 15 / 15 से अधिक

(8) दिन में आपके पास लगभग कितने कॉल आते है ?

1 से 5 / 5 से 10 / 10 से 15 / 15 से अधिक

(9) आप किस सोशल मीडिया का उपयोग करते है ?

व्हाट्सप / फेसबुक / ट्वीटर / इन्सट्राग्राम

(10) आप दिन में कितने मैसेज भेजते है ?

10 - 20 Msg

(11) आपके पास रोजाना लगभग कितने मैसेज आते है ?

10 - 20 Msg

(12) आपके पास किस प्रकार के मैसेज आते है ?

धार्मिक / विचारपूर्ण / मनोरंजन / अन्य

(13) आप किस प्रकार के मैसेज करते है ?

धार्मिक / विचारपूर्ण / मनोरंजन / अन्य

14) आपके पास किसका ज्यादा मैसेज आता है ?

परिवार / रिश्तेदार / लड़का मित्र / लड़की मित्र

15) आप किसे ज्यादा कॉल करते है ?

परिवार / रिश्तेदार / लड़का मित्र / लड़की मित्र

(16) आप कितने समय तक मोबाईल फोन में लगे रहते है ?

1 घंटा / 2 घंटा / 3 घंटा / 4 घंटा या अधिक

(17) आप मोबाईल में किस सुविधा का अधिक उपयोग करते है ? प्राथमिकता क्रम में अंक प्रदान कीजिए।

इन्टरनेट [2] / यूट्यूब [1] / वार्तालाप [3] / कैमरा [4]

/ विडियोगेम [5]

(18) क्या आप अपने मोबाईल को बंद (switch off) रखते है ? हाँ / नही हाँ तो कब – कब :– रात मे सोते समय

(19) क्या आप अपने मोबाईल को साइलेंट मोड में रखते है ? हाँ / नहीं हाँ तो कब – कब :– घर में विशेष परिस्थितियों मे।

(20) मोबाईल का उपयोग बढ़ने से समाज में अपराध बढ़ रहे हैं ?

हाँ / नही / कुछ हद तक

(21) क्या आप यातायत के समय मोबाईल का प्रयोग करते है ?

हाँ / नही / कभी – कभी

(ड) मोबाईल के प्रभाव :-

(1) अध्ययन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं ? हाँ / नही

(2) परिवार के सदस्यों से दूरी होना ? हाँ / नही

(3) परीक्षा में कम अंक प्राप्त करना ? हाँ / नही

(4) माता – पिता को समय नहीं दे पाना ? हाँ / नही

(5) बाहर के कार्यो में सहयोग नहीं दे पाना ? हाँ / नही

(6) आँख का कमजोर हो जाना ? हाँ / नही

(7) मोबाईल के अभाव में आप क्या महसूस करते हैं ?

परेशानी / अकेलापन / शांत महसूस

(9) मोबाईल खो जाने पर प्रतिक्रिया :–

(A) तत्काल दूसरी मोबाईल की व्यवस्था करेंगे ? हाँ / नही

(B) कुछ दिन तक बिना मोबाईल के काम चला लेंगें ? हाँ / नही

(C) उससे अच्छी कम्पनी की महंगी मोबाईल खरीदना चाहेंगे ? हाँ / नही

(D) मोबाईल खरीदने के लिए पैसा नहीं है तो क्या करेंगें ?

सामान्य मोबाईल चला लेंगे / कुछ समय बाद खरीदेंगे / अभिभावक से मोबाईल खरीदने के लिए कहेंगे

(9) वर्तमान में हम युवा हमेशा मोबाईल पर लगे रहते हैं उससे आपका क्या मत है :– मोबाईल आज के दुनिया में बोहत उपयोगी है मोबाईल के सहारे हम सभी से दूर बैठे रिश्तेदार, मित्र सभी से बाते कर सकते है।

(10) मोबाईल से होने वाले नुकसान के विषय में आपका क्या मत है :– मोबाईल के कारण लोग अपने माता पिता को भुल रहे है और कार्यो में समय नही दे पाते है और मोबाईल के कारण अनेक प्रकार के अपराध हो रहे है जो सही नही है

पूर्णिमा

सुचनादाता के हस्ताक्षर

दिनांक 07/04/2019

स्थान माधलसरी।

प्रायोगिक कार्य

शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय

डोंगरगांव

एम.ए.समाजशास्त्र प्रथम वर्ष के पंचम प्रश्नपत्र की अंशपूर्ति हेतु प्रस्तुत

साक्षात्कार निर्देशिका

ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

वैयक्तिक अध्ययन

शिक्षक श्रीमान रामाधार बघेल का वैयक्तिक अध्ययन

निर्देशक
श्री जी.के.नेताम
सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
महाविद्यालय डोंगरगांव

शोधकर्ता
कु.कांति मारकण्डे
एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
(समाजशास्त्र)

ग्रामीण क्षेत्र मे मतदाता जागरूकता के तहत
श्रीमति सुखम से उत्तर प्राप्त करते हुए

निष्कर्ष:-

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं में अभी भी मत देने के लिए मतदान केन्द्रों में अभी भी सत्प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित नहीं हो पायी है और ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी गांव के सलाह या परिवार के सलाह के अनुसार अपने मताधिकार का प्रयोग करते है। ग्रामीण क्षेत्रो में EVM मशीन से संबंधित नोटा बटन के बारे में भी अधिक जानकारी नहीं है। चुनाव के समय गांव में सामाग्री वितरित किये जाने पर भी लोग इनकी शिकायत नहीं करते है। इनके बावजुद भी ग्रामीण क्षेत्र में लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए अपना मताधिकार का प्रयोग करते है।

प्रायोगिक कार्य

शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

वर्ष - 2019-20

एम. ए. समाजशास्त्र प्रथम वर्ष के पंचम प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति

हेतु प्रस्तुत

साक्षात्कार निर्देशिका

व्यसन: व्यक्तिगत एंव पारिवारिक दुष्परिणाम

एकसमाजशास्त्रीय अध्ययन

वैयक्तिक अध्ययन

राष्ट्रपति के द्वारा पुरुष्कार से सम्मानित शिक्षक श्रीमती माधवी गणवीर का वैयक्तिक अध्ययन

शोध निर्देशक
श्री जी. के नेताम
सहायक प्राध्यापक(समाजशास्त्र)
डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर, महाविद्यालय डोंगरगांव

शोधार्थी
शैलेष कुमार साहू
एम.ए.(समाजशास्त्र)
प्रथम सेमेस्टर

श्री टोमन लाल साहू से व्यसन के सन्दर्भ में साक्षात्कार प्राप्त करते हुए शोधार्थी शैलेष कुमार साहू (एम. ए. प्रथम सेमेस्टर)

[समाजशास्त्र]

निष्कर्ष

संपूर्ण अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि आज की युवा पीढ़ी दिनो दिन व्यसन की चपेट में आते जा रहे हैं तथा यहां छोटे से लेकर बड़े सभी उम्र के लोग नशे को अपना कर उसका सेवन करके अपने वर्तमान एवं भविषय को विनाश की कगार पर पहुंचा रहे हैं। आज व्यक्ति या समाज और राष्ट्र को व्यसन के विरुद्ध खड़े होना आवश्यक है।

व्यसन से मुक्ति पाने की आवश्यकता है, व्यसन से मुक्ति के लिए लोगो में जागरुकता फैलाना आवश्यक है।

शासकीय डॉं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव जिला राजनांदगांव

समाजशास्त्र विभाग

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

।रियोजना

सत्र 2019—2020

कृषि मजदूरो के प्रवजन के संदर्भ मे एक समाजशास्त्रीअध्ययन

(राजनांदगांव जिले के संदर्भ मे)

प्रचार्य

डॉं. श्रीमती बी. एन. मेश्राम

निर्देशक

प्रो. गणेश नेताम

शोधकर्ता

कु.शारदा पटेल

निष्कर्ष

भारत कृषि प्रधान देश है कृषि एवं मजदूरो के समक्ष अनेक कठिनाईऱ जीवन में आती है उन्ही संकटो में से एक कृषि मजदूरो के प्रवज समस्या है।

कृषि मजदूरो के संदर्भ में जैसे हम जानते है कि श्रमिक का प्रवजन के कारण को ज्ञात करते हुए उसकी प्रकृति को ज्ञात करना एवं श्रमिको को प्रवजन आदत है या उनकी मज़बूरी होती है जिसके कारण प्रवजन के लिए मजदूर बाहय हो जाते है और इन श्रमिको प्रंवजन के परिणाम स्वरुप श्रमिको के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है तथा इनके प्रवजन समस्या को कैसे दूर किया जाये तथा उनकी उन्नति एवं प्रगति का मार्ग कैसे प्रशस्त किया जाये इस सन्दर्भ में श्रमिक प्रवजन को रोकने के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार व्दारा अनेक प्रयत्न किये गए है जो की सकारात्मक रूप धारण कर रही है।

रोजगार तथा बेहतर जीवन किसी भी काल में पलायन का मुख्य आकर्षण रहा है गांवो में रोजगार के वैकल्पिक अवसरों के आभाव के कारण ही इस प्रकार की प्रकृति का निर्माण संभव है। इन्ही सब कारणों को ध्यान में रख कर केंद्र एवं राज्य सर्कार स्थानीय स्टार पर रोजगार के अवसर सुलभ कराने हेतु अनेक योजनाए की संचालित कर रही है।

शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगाँव

वर्ष–२०२१

एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय सेमेस्टर पंचम प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति हेतु प्रस्तुत

प्रश्नावली

महिला एवं स्व-सहायता समूह का समाजशास्त्रीय अध्ययन

"साक्षात्कार अनुसूचि"

शिक्षित बेरोजगारों की समस्या एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

निर्देशक

श्री जी.के. नेताम

सहा.प्रध्यापक (समाजशास्त्र)

शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव

जिला-राजनांगांव(छ.ग.)

शोधकर्ता

कु. उर्वशी कौशिक

एम.ए. (समाजशास्त्र) द्वितीय सेमे.

शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव

जिला-राजनांगांव(छ.ग.)

महिला स्वयं सहायता समूह से उत्तर प्राप्त करते हुए